

प्रेषक,

एन0एस0 नेगी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

आयुक्त,
ग्राम्य विकास विभाग,
पौड़ी, उत्तराखण्ड।

ग्राम्य विकास अनुभाग।

देहरादून, दिनांक: 11 जुलाई, 2012

विषय:—सामुदायिक विकास योजनान्तर्गत जनपद पौड़ी के विकासखण्ड थलीसैंण के निष्प्रयोज्य कार्यालय भवन के ध्वस्तीकरण की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कृपया अपने पत्र संख्या 3369/5-लेखा-108/वि0ख0भवन/ध्वस्तीकरण/2011-12, दिनांक 07.01.2012 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा जनपद पौड़ी के विकासखण्ड थलीसैंण के निष्प्रयोज्य कार्यालय भवन के ध्वस्तीकरण की विधिवत स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया गया है।

इस सम्बन्ध में ध्वस्तीकरण कार्य के प्राप्त आगणन का टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षण किया गया, जिसमें ध्वस्तीकरण की लागत रु0 0.40 लाख एवं ध्वस्तीकरण से प्राप्त सामग्री की लागत रु0 1.11 लाख औचित्यपूर्ण पाई गई।

अतः टी0ए0सी0 द्वारा किए गए परीक्षण के आधार पर प्रश्नगत अनावसीय भवन के ध्वस्तीकरण की स्वीकृति इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि इस सम्बन्ध में समस्त सम्बन्धित नियमों/विनियमों का अनुपालन करते हुए ध्वस्तीकरण से प्राप्त सामग्री की लागत रु0 1.11 लाख में से ध्वस्तीकरण कार्य की लागत रु0 0.40 लाख को घटाकर अवशेष धनराशि रु0 0.71 लाख राजकोष में जमा किया जाएगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 18(P)/वित्त-4/2012 दिनांक: 27 अप्रैल 2012 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एन0एस0 नेगी)
सचिव।

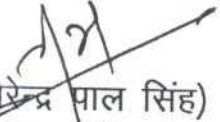
संख्या: 296 / XI / 2012 / 56(45)2011 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

- 1—महालेखाकार, (लेखा परीक्षा) कार्यालय महालेखाकार, वैभव पैलेस, सी-1/105, इन्दिरा नगर, देहरादून।
- 2—महालेखाकार, (ए एण्ड ई), ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर, रोड़, माजरा।
- 3—आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।

- 4-जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी, पौड़ी।
- 5-निदेशक, कोषागार एवं वित्त लेखा, उत्तराखण्ड।
- 6-एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7-नियोजन विभाग/वित्त विभाग।
- 8-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(वीरेन्द्र पाल सिंह)
उप सचिव।